**50. एक महान्यायवादी के विरुद्ध लेखा के लिए-संविदा पर-आधारित वाद।**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है -**

1. यह कि वादी ............................ ............................ में........................... स्थित के ................................ का है।
2. यह कि वादी....................................... से उसके मिशन पर वादी के विदेश में रुकने की कालावधि के दौरान मन्दिर की सम्पत्तियों के किराये तथा ..................................... को दान में भेंट की गयी सम्पत्ति का संग्रह करने के लिए वादपत्र के पाद पर दी गयी अनुसूची में ब्यौरेवार मन्दिर में सम्पत्तियों तथा उपर्युक्त सम्पत्ति का प्रबन्ध करने के लिए उसके अभिकर्ता के रूप में सम्यक रूप से स्टाम्पित की गयी तथा निष्पादित किये गये एक साधारण मुख्तारनामा द्वारा प्रतिवादी को नियुक्त किया।
3. यह कि प्रतिवादी ने .................. ................. से मन्दिर के कार्यों एवं सम्पत्तियों का कुप्रबन्ध करना प्रारम्भ कर दिया और.................................... को भेंट किये गये दानों तथा मन्दिर की सम्पत्तियों के किराये का संग्रह कर रहा है।
4. यह कि प्रतिवादी द्वारा किये गये संग्रहों के ब्यौरे वादी को ज्ञात नहीं है, और प्रतिवादी ने. उपर्युक्त मन्दिर एवं इसकी सम्पत्ति का सम्पूर्ण लेखा देने के लिए वादी के अनुरोध पर भी, उसके द्वारा प्राप्त किये गये धन एवं खर्चे का लेखा नहीं प्रस्तुत किया है।
5. यह कि वाद के लिए वाद हेतुक तारीख ........................... को पैदा हुआ जब वादी ने लेखे की मांग किया और प्रतिवादी द्वारा इसको अस्वीकृत कर दिया गया।
6. यह कि प्रतिवादी इस न्यायालय की क्षेत्रीय अधिकारिता के अन्दर ………………….का एक निवासी है।
7. यह कि न्यायालय फीस एवं धनीय अधिकारिता के प्रयोजनार्थ वाद की विषयवस्तु का मूल्य अन्तिम रूप से .................................... रुपये (..............) पर नियत किया जाता है और न्यायालय फीस का तदानुसार संदाय किया जाता है।

**दावाकृत अनुतोष -**

1. यह कि प्रतिवादी को वादी के महान्यायवादी के रूप में सत्य लेखा देने का आदेश दिया जाय।
2. …………………..... रुपये / या ऐसी रकम का संदाय जिसे ऐसा लेखा लेने पर प्रतिवादी से संदेय पाया जाय।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

 वादी